ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

शुक्रवार, 21 जून 2024

प्रतिवेदन

स्वयं और समाज के लिए योग

10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

शुक्रवार, 21 जून 2024

स्वयं और समाज के लिए योग

संरक्षक

प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, कुलपति

कार्यक्रम संयोजक

प्रो. आनंद पाटील, कुलसचिव

कार्यक्रम सह-संयोजक

डॉ. अनिकेत आंबेकर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस
21 जून 2024

चालन क्रियाएं

योगासन

कपालभाति

प्राणायाम

ध्यान

संकल्प

शान्ति पाठ

ध्यान

योगासन

ताडासन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2024
स्वयं और समाज के लिए योग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
वर्धा (महाराष्ट्र)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2024
स्वयं और समाज के लिए योग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
वर्धा (महाराष्ट्र)

प्रतिवेदन

हिंदी विश्वविद्यालय में मनाया 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 10वें विश्व योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि योग के कारण विश्व में भारत का गौरव बढ़ा है। योग हमारी पुरातन परंपरा से चला आ रहा है। जिसने भारतीय जनजीवन को संस्करित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। गीता में उद्धृत कर्मयोग, ज्ञानयोग तथा भक्तियोग से हम सब परिचित हैं। उन्होंने कहा कि योग सभी को मन से जोड़ने का काम करता है। व्यक्ति को समाज से जोडना भी योग है। बीना योग से कुशलता संभव नहीं है। कुलपति ने कहा कि योग को अपने दैनंदिन जीवन में अपनाते हुए इसका नियमित अभ्यास करना चाहिए।

कुलसचिव तथा कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आनन्द पाटील ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि योग कर्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। योग से योग्यता की प्राप्ति होती है। कुशलता के लिए योग जरूरी है। योग को समझे बिना योग्यता अर्जित नहीं की जा सकती। वर्तमान भोगवादी समाज में हमें अपने चेतन को जगाना हो तो उसके लिए योग आवश्यक है। हमें योग को जोड़ने के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग गतिशीलता का नाम है। योग वाणी का कम और कर्मशीलता का विषय अधिक है।

इस अवसर पर योग विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित योग प्रशिक्षक संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री आदित्य पुंड, श्री प्रयोग निस्ताने और सुश्री भारती पवार के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह तथा अतिथि के रूप में त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अगरतला के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मुनीन्द्र मिश्र तथा राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा के उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा मंचासीन थे।

शुक्रवार, 21 जून को सुबह 07 बजे से विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद क्रीडांगन में विश्व योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष योग दिवस का मुख्य विषय 'स्वयं और समाज के लिए योग' था। योग दिवस का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया तथा जनसंचार विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सह-संयोजक के रूप में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिकेत आंबेकर ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

Social Media

https://www.youtube.com/live/1x_nJQr6ZmA?feature=shared

https://fb.watch/sR3OXc3lm2/?mibextid=Nif5oz

योग को नियमित अभ्यास में शामिल करें - प्रो. कृष्ण कुमार सिंह

हिंदी विश्वविद्यालय में मनाया 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

उजाला न्यूज

वर्धा। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 10वें विश्व योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि योग के कारण विश्व में भारत का गौरव बढ़ा है। योग हमारी पुरातन परंपरा से चला आ रहा है। जिसने भारतीय जनजीवन को संस्करित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। गीता में उद्धृत कर्मयोग, ज्ञानयोग तथा भक्तियोग से हम सब परिचित हैं। उन्होंने कहा कि योग सभी को मन से जोड़ने का काम करता है। व्यक्ति को समाज से जोडना भी योग है। बीना योग से कुशलता संभव नहीं है। कुलपति ने कहा कि योग को अपने दैनंदिन जीवन में अपनाते हुए इसका नियमित अभ्यास करना चाहिए।

कुलसचिव तथा कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आनन्द पाटील ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि योग कर्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। योग से योग्यता की प्राप्ति होती है। कुशलता के लिए योग जरूरी है। योग को समझे बिना योग्यता अर्जित नहीं की जा सकती। वर्तमान भोगवादी समाज में हमें अपने चेतन को जगाना हो तो उसके लिए योग आवश्यक है। हमें योग को जोड़ने के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग गतिशीलता का नाम है। योग वाणी का कम और कर्मशीलता का विषय अधिक है।

इस अवसर पर योग विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित योग प्रशिक्षक संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री आदित्य पुंड, श्री प्रयोग निस्ताने और सुश्री भारती पवार के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह तथा अतिथि के रूप में त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अगरतला के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मुनीन्द्र मिश्र तथा राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा के उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा मंचासीन थे।

शुक्रवार, 21 जून को सुबह 07 बजे से विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद क्रीडांगन में विश्व योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष योग दिवस का मुख्य विषय 'स्वयं और समाज के लिए योग' था। योग दिवस का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया तथा जनसंचार विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सह-संयोजक के रूप में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिकेत आंबेकर ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

करें योग रहे निरोग

योग ने विश्व पटल पर भारत का बढ़ाया मान : डा. सिंह

▪ वर्धा शहर समेत जिलेभर में उत्साह के साथ मनाया गया विश्व योग दिवस

ब्यूरो। वर्धा. विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में 21 जून को वर्धा शहर समेत जिलेभर में योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल, महाविद्यालय, सामाजिक संस्था समेत विभिन्न संगठन द्वारा योग दिवस मनाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, बुजुर्ग, विद्यार्थी शामिल हुए।

हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

वर्धा| महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 10वें विश्व योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि योग के कारण विश्व में भारत का गौरव बढ़ा है। योग हमारी पुरातन परंपरा से चला आ रहा है। जिसने भारतीय जनजीवन को संस्कारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। गीता में उद्धृत कर्मयोग, ज्ञानयोग तथा भक्तियोग से हम सब परिचित हैं। उन्होंने कहा कि योग सभी को मन से जोड़ने का काम करता है। व्यक्ति को समाज से जोड़ना भी योग है। योग के बगैर कुशलता संभव नहीं है। कुलपति ने कहा कि योग को अपने दैनंदिन जीवन में अपनाते हुए इसका नियमित अभ्यास करना चाहिए। कुलसचिव तथा कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आनन्द पाटील ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि योग कर्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर योग विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित योग प्रशिक्षक संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री आदित्य पुंड, श्री प्रयोग निस्ताने और सुश्री भारती पवार के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर वित्ताधिकारी प्रो. सरदार सिंह तथा अतिथि के रूप में त्रिपुरा केंद्रीय विवि, अगरतला के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मुनीन्द्र मिश्र तथा राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा के उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा मंचासीन थे। शुक्रवार, 21 जून को सुबह 07 बजे से विवि के मेजर ध्यानचंद क्रीड़ांगण में विश्व योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष योग दिवस का मुख्य विषय स्वयं और समाज के लिए योग था। संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया। जनसंचार विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सह-संयोजक के रूप में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिकेत आंबेकर ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शाइनिंग स्टार्स स्कूल, वर्धा

यशवंत महाविद्यालय, वर्धा

वर्धा| आज के भागदौड़ वाले जीवन में अनियमितता बढ़ते जा रही है। भोजन, आराम इन बातों के लिए भी समय निश्चित नहीं होता है। काम के व्यस्तता के कारण शरीर पर विपरीत परिणाम होता है। इस कारण शरीर में अनेक प्रकार के बीमारियां निर्माण होने की आशंका रहती है। परंतु इन सभी प्रकार के बीमारियों पर मात करना हो तो इस के लिए नियमित योगाभ्यास आवश्यक है। योगा के कारण मनुष्य का मन और शरीर निरोगी रहता है, ऐसा प्रतिपादन डॉ. गिरीश ठाकरे ने स्थानीय यशवंत महाविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग कार्यक्रम के अवसर पर किया। इस अवसर पर पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ. रवींद्र बेले, शारीरिक शिक्षण व क्रीड़ा विभाग प्रमुख प्रा. राहुल भालेकर, योगा प्रशिक्षक डॉ. विद्या उमाटे उपस्थित थे। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक डॉ. विद्या उमाटे ने महाविद्यालय के उपस्थित प्राध्यापक वर्ग की ओर से योग से संबंधित अलग-अलग प्रकार के आसन प्रात्यक्षिक करवाकर दिखाए और मानवी जीवन में योग के महत्व को समझाने का प्रयास किया। कार्यक्रम की प्रास्ताविक प्रा. राहुल भालेकर ने की। संचालन कनिष्ठ महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षण व क्रीड़ा विभाग प्रमुख प्रा. किरण कालेने किया। कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय के प्राध्यापक वर्ग की बड़े प्रमाण में उपस्थिति थी।

इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर, गणेश नगर

रूबस्ट जिम, वर्धा

वर्धा| स्थानीय इंदिरा मार्केट रोड के रूबस्ट जिम में 21 जून की सुबह अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रूबस्ट जिम में समाजसेवी सुनील साहू, व्यवसायी देविदास करडे, वीरू पांडे, हसनभाई, योगेश बलवानी, संजय साटोणे, महेश हटवार तथा सेवाग्राम व सावंगी मेघे के मेडिकल कॉलेज के लोग उपस्थित थे।

भाजपा शहर शाखा, देवली

देवली| योग दिवस पर योग का दैनंदिन जीवन में समावेश करना चाहिए, ऐसा आह्वान पूर्व सांसद रामदास तडस ने किया। भाजपा शहर शाखा की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिन का आयोजन किया गया था। इस समय पूर्व सांसद तडस सहित उपस्थितों को योग के पाठ पढ़ाए गए। इस समय योग शिक्षक के रूप में पूर्व प्राचार्या वनिता मदनकर, निर्मला नांदुरकर, मीनाक्षी शिरोडकर, रजना महाजन, अरुणा वरंभे ने जिम्मेदारी संभाली। प्रचलित योग में प्राणायाम, सूर्यनमस्कार, कपालभाति, अनुलोम विलोम, पद्मासन, हलासन, सर्वांगासन, शिर्षासन, वज्रासन आदि आसनों के प्रात्यक्षिक सहित पाठ पढ़ाए गए। यवतमाल रोड के निजी आईटीआई में शुक्रवार को तड़के 5 बजे इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम को पूर्व नगराध्यक्षा शोभा तडस, पूर्व उपाध्यक्ष प्र. नरेंद्र मदनकर, विविध कार्यकारी अध्यक्ष शरद आदमने, एकपाला देवस्थान के अध्यक्ष प्रकाश कारोटकर, भाजपा शहर अध्यक्ष रवि कारोटकर, जिला सचिव दशरथ भुजाडे, अनिल क्षीरसागर, छाया तडस, भाजपा महिला अध्यक्षा शुभांगी कुर्जेकर सहित पदाधिकारी व नागरिक उपस्थित थे।

न्यू इंग्लिश हाईस्कूल व कनिष्ठ महाविद्यालय

वर्धा| सूचना व प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय वर्धा, जिला प्रशासन, जिला परिषद, जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, जिला सूचना कार्यालय, नेहरू युवा केंद्र वर्धा, न्यू इंग्लिश हाईस्कूल व कनिष्ठ महाविद्यालय और पतंजलि योग परिवार के संयुक्त तत्वावधान में शहर के महादेवपुरा स्थित न्यू इंग्लिश हाईस्कूल व कनिष्ठ महाविद्यालय के राम मंदिर प्रांगण में स्वयं और समाज के लिए योग, इस संकल्पना पर आधारित 10 वां विश्व योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक डॉ. पंकज भोयर ने की। अतिथि के रूप में जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जीतीन रहमान, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी ... केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय वर्धा के ...

योग को नियमित अभ्यास में शामिल करें : प्रो. कृष्ण कुमार सिंह

हिंदी विश्वविद्यालय में मनाया 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

विश्वभूषण तिवारी

वर्धा। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 10वें विश्व योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि योग के कारण विश्व में भारत का गौरव बढ़ा है। योग हमारी पुरातन परंपरा से चला आ रहा है। जिसने भारतीय जनजीवन को संस्करित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। गीता में उद्धृत कर्मयोग, ज्ञानयोग तथा भक्तियोग से हम सब परिचित हैं।

उन्होंने कहा कि योग सभी को मन से जोड़ने का काम करता है। व्यक्ति को समाज से जोडना भी योग है। बीना योग से कुशलता संभव नहीं है। कुलपति ने कहा कि योग को अपने दैनंदिन जीवन में अपनाते हुए इसका नियमित अभ्यास करना चाहिए।

कुलसचिव तथा कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आनन्द पाटील ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि योग कर्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। योग से योग्यता की प्राप्ति होती है। कुशलता के लिए योग जरूरी है। योग को समझे बिना योग्यता अर्जित नहीं की जा सकती। वर्तमान भोगवादी समाज में हमें अपने चेतन को जगाना हो तो उसके लिए योग आवश्यक है। हमें योग को जोड़ने के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग गतिशीलता का नाम है। योग वाणी का कम और कर्मशीलता का विषय अधिक है।

इस अवसर पर योग विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित योग प्रशिक्षक संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग के सहायक प्रोफेसर आदित्य पुंड, प्रयोग निस्ताने और सुश्री भारती पवार के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।

इस अवसर पर वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह तथा अतिथि के रूप में त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अगरतला के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मुनीन्द्र मिश्र तथा राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा के उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा मंचासीन थे।

शुक्रवार, 21 जून को सुबह 07 बजे से विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद क्रीडांगन में विश्व योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष योग दिवस का मुख्य विषय 'स्वयं और समाज के लिए योग' था। योग दिवस का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया तथा जनसंचार विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सह-संयोजक के रूप में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिकेत आंबेकर ने भूमिका निभाई।

नवभारत

योग को नियमित अभ्यास में शामिल करें : सिंह

हिंदी विश्वविद्यालय में योग दिवस मनाया गया

■ **वर्धा,ब्यूरो.** महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 10वें विश्व योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि योग के कारण विश्व में भारत का गौरव बढ़ा है. योग हमारी पुरातन परंपरा से चला आ रहा है. जिसने भारतीय जनजीवन को संस्कारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.योग को अपने दैनंदिन जीवन में अपनाते हुए इसका नियमित अभ्यास करना चाहिए कुलसचिव तथा कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आनन्द पाटिल ने कार्यक्रम की प्रस्ताव रखी. योग प्रशिक्षक संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग के सहायक प्रोफेसर आदित्य पुंड, प्रयोग निस्ताने और भारती पवार के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया. इस अवसर पर वित्ताधिकारी पी. सरदार सिंह तथा अतिथि के रूप में त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अगरतला के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डा. मुनीन्द्र मिश्र तथा राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा के उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा मंचासीन थे. विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद क्रीड़ांगन में विश्व योग दिवस मनाया गया. संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे तथा जनसंचार विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे ने आभार माना.

विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद क्रीड़ांगन में विश्व योग दिवस मनाया

देशपथ ब्यूरो

वर्धा । शुक्रवार सुबह 7 बजे से विश्वविद्यालय के मेजर यानचंद क्रीडांगन में विश्व योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष योग दिवस का मुख्य विषय 'स्वयं और समाज के लिए योग' में था। योग दिवस का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया तथा जनसंचार विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सह–संयोजक के रूप में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिकेत आंबेकर ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्य्या में उपस्थित थे।

देशोन्नती

दैनंदिन जीवनात योगाचा सराव करावा : प्रो. कृष्णकुमार सिंह

हिंदी विश्वविद्यालयात दहावा आंतरराष्ट्रीय योग दिन उत्साहात

देशोन्नती वृत्तसंकलन

वर्धा : योगामुळे जगामध्ये भारताची शान वाढली आहे. योग आपल्या प्राचीन परंपरेपासून चालत आलेला आहे. योगाने भारतीय जीवनाच्या संस्कृतीकरणात महत्त्वाची भूमिका बजावली आहे. गीतेमध्ये सांगितलेल्या कर्मयोग, ज्ञानयोग आणि भक्तियोगाशी आपण सर्व परिचित आहोत. ते म्हणाले की योग प्रत्येकाला जोडण्याचे काम करतो. व्यक्तीला समाजाशी जोडण्यासाठीही योग महत्त्वाचे साधन आहे. योगासनाशिवाय कार्यक्षमता शक्य नाही. कुलगुरू म्हणाले की दैनंदिन जीवनात योगाचा अंगीकार करून त्याचा नियमित सराव केला पाहिजे, असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात १० व्या विश्व योग दिनानिमित्त आयोजित कार्यक्रमाचे अध्यक्ष म्हणून बोलताना कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह यांनी केले.

कुलसचिव व कार्यक्रमाचे संयोजक प्रो. आनन्द पाटील यांनी कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक केले. यावेळी योगतज्ज्ञ म्हणून आमंत्रित संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालयातील आजीवन अध्ययन व विस्तार विभागाचे सहायक प्राध्यापक

आदित्य पुंड, प्रयोग निस्ताने आणि भारती पवार यांच्या मार्गदर्शनाखाली विविध प्रकारची योगासने व प्राणायाम करण्यात आले.

यावेळी वित्त अधिकारी पी. सरदार सिंह आणि अतिथी म्हणून त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, आगरतळा येथील वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मुनीन्द्र मिश्र आणि राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवाचे उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा मंचावर उपस्थित होते. विश्वविद्यालयाच्या मेजर ध्यानचंद क्रीडांगणावर जागतिक योग दिन साजरा करण्यात आला. यावर्षी योग दिनाचा मुख्य विषय 'स्वतः आणि समाजाकरीता योग' हा होता. योग दिनाची सुरुवात विश्वविद्यालयाच्या कुलगीताने आणि सांगता राष्ट्रगीताने झाली. कार्यक्रमाचे संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी केले तर जनसंचार विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाचे सह-संयोजक म्हणून सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिकेत आंबेकर यांनी भूमिका निभावली.

तरुण भारत
Paschim Vidarbha | 2024-06-23 | Page- 6
epaper.tarunbharat.net

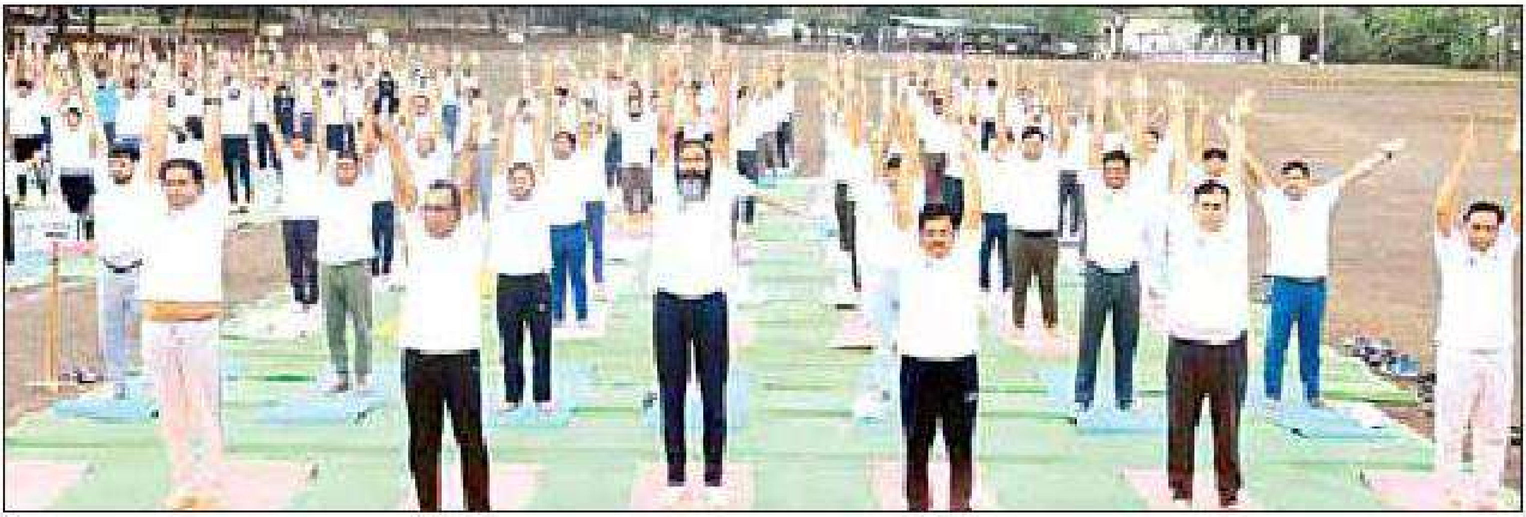

योगाचे प्रात्यक्षिक करताना प्राध्यापक, शिक्षक व विद्यार्थी

दैनंदिन जीवनात योगाचा सराव करा

प्रा. सिंह यांचे प्रतिपादन

हिंदी विश्वविद्यालयात योग दिन

◆ **वर्धा, २२ जून**

योग आपल्या प्राचीन परंपरेपासून चालत आलेला आहे. योगाने भारतीय जीवनाच्या संस्कृतीत महत्त्वाची भूमिका बजावली आहे. गीतेमध्ये सांगितलेल्या कर्मयोग, ज्ञानयोग आणि भक्तियोगाशी आपण सर्व परिचित आहोत. ते म्हणाले की, योग प्रत्येकाला जोडण्याचे काम करतो. व्यक्तीला समाजाशी जोडण्यासाठीही योग महत्त्वाचे साधन आहे. योगासनाशिवाय कार्यक्षमता शक्य नाही. त्यामुळे दैनंदिन जीवनात योगाचा सराव करावा, असे आवाहन कुलगुरू प्रा. कृष्णकुमार सिंह यांनी केले.

कुलसचिव व कार्यक्रमाचे संयोजक प्रा. आनंद पाटील यांनी प्रास्ताविकातून योग हा कर्माच्या दृष्टिकोनातून महत्त्वाचा असल्याचे सांगितले. योग समजून घेतल्याशिवाय योग्यता संपादन करता येत नाही. सध्याच्या भौतिकवादी समाजात जाणीव जागृत करायची असेल तर योग आवश्यक आहे, असेही ते म्हणाले.

यावेळी संत गाडगेबाबा अमरावती विश्वविद्यालयातील आजीवन अध्ययन व विस्तार विभागाचे प्रा. आदित्य पुंड, प्रयोग निस्ताने आणि भारती पवार यांच्या मार्गदर्शनात विविध प्रकारची योगासने व प्राणायाम करण्यात आले. यावेळी वित्त अधिकारी पी. सरदार सिंह आणि अतिथी म्हणून त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, आगरतळा येथील वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. मुनींद्र मिश्र आणि राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवाचे उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा उपस्थित होते.

सूत्रसंचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे तर प्रा. डॉ. राजेश लेहकपुरे यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाला विश्वविद्यालयाचे अधिष्ठाता, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

◀ *(तभा वृत्तसेवा)*

Powered by iDocuments

LOKMAT TIMES

Events mark International Yoga Day

(Left) People participating in Yoga Day porgramme in Gadchroli. (Right) Hindi University staff and students performing Yogasana in Wardha.

LOKMAT NEWS NETWORK
GADCHIROLI/WARDHA

Various events were organised in Gadchiroli and Wardha districts to mark International Yoga Day. Lloyds Metals and Energy Limited, along with Lloyds Infinite Foundation, successfully organised a grand International Yoga Day at village Hedri and Konsari plant in Gadchiroli district. More than 2,300 persons participated in this initiative.

The event, held at Hedri ground and Konsari plant, attracted over 2,300 participants from the company as well from nearby areas. The programme was inaugurated at the hands of K Satya Rao in the presence of Sai Kumar, Arun Rawat, Ganesh Sethy, P Rajah, Balram Somnani, and Dr BC Saluja. At Konsari, the program was inaugurated by Colonel Sangram Mahapatra, Prabhakar Kohale, Colonel Mahendra Singh, and Lt. Colonel Ramnath Swamy. Children participated in great numbers and performed yoga demonstrations at the event.

Wardha: The 10th International Yoga Day was celebrated at Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya (MGAHU) with vice chancellor Prof Krishna Kumar Singh presiding over the event.

Prof Singh emphasised yoga's role in enhancing India's global stature and its ancient tradition in Indian life, advocating for its regular practice. Registrar Prof Anand Patil highlighted yoga's importance for efficiency and consciousness. Yoga instructors Aditya Pund, Prayog Nishtane, and Bharti Pawar led various asanas and pranayama sessions.

Distinguished guests included finance officer P Sardar Singh, Dr Munindra Mishra from Tripura Central University, and Dr Rakesh Kumar Sharma from the National Institute of Oceanography. The celebration, themed 'Yoga for self and society,' was held at Major Dhyan Chand Stadium and featured the university's and national anthems.

हिंदी विवि में विश्व योग दिवस आज

वर्धा, (का.) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में 21 जून को विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद मैदान में प्रातः 07 बजे से विश्व योग दिवस का आयोजन किया जा रहा है. इस वर्ष योग दिवस का मुख्य विषय 'स्वयं और समाज के लिए योग' रखा गया है. भारत सरकार से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसरण में आयोजित योग दिवस का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से किया जाएगा. इस अवसर पर कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह संबोधित करेंगे और उनके संबोधन के बाद योग विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित योग प्रशिक्षक आदित्य पुंड, प्रयोग निस्ताने और भारती पवार के निर्देशन में योग किया जाएगा. इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ शोधार्थी एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रहेगी. राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा. कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे करेंगे तथा एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे आभार ज्ञापित करेंगे. कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील कुलसचिव तथा कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आनंद पाटिल एवं सह-संयोजक डॉ. अनिकेत आंबेकर ने की है.

मेजर ध्यानचंद मैदान में होगा कार्यक्रम